

फॉलिंग वेज

1. फॉलिंग वेज पैटर्न ट्रेंड कंटीन्यूअस

और ट्रेंड रिवर्सल दोनों का काम कर

सकता है ये कहां पर बनता है उसके

ऊपर ये डिपेंड रहता है !

**2. अगर यह पैटन डाउन ट्रैड के
आखिर में बनता है तो ट्रैड रिवर्स
होता है और अपट्रैड के दौरान
बनता है तो ट्रैड कंटिन्यू होता है !**

3. डाउन ट्रेंड में जब मार्केट नीचे आता है

तो काफी लोअर हाई बनते हैं मतलब दूसरा

वाला हाई पहले वाले हाई के नीचे बनता है

अगर ये लोअर हाई एक ट्रेंड लाइन से जोड़

दिए जाये तो फालिंग वेज पैटर्न बनता है !

4. इस पैटर्न में जो वेव शुरुआत में बनते हैं वे बड़े होते हैं बाद में वेव का आकार छोटा होता जाता है इस पैटर्न का ब्रेकआउट ज्यादातर ऊपर की साइड होता है और उसके बाद मार्केट ऊपर जाने लगता है जब मार्केट लोअर हाई बनता है वॉल्यूम कम होते जाते हैं लेकिन ब्रेकआउट होने के बाद वॉल्यूम बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं !

5. अगर यह पैटर्न डाउन ट्रेंड के

आखिर में बनता है तो ट्रेंड रिवर्स होता

है और अपट्रेंड के दौरान बनता है तो

ट्रेंड कंटिन्यू होता है !

6. डाउन ट्रेंड में जब मार्केट नीचे आता है

तो काफी लोअर हाई बनते हैं मतलब

दूसरा वाला हाई पहले वाले हाई के नीचे

बनता है अगर ये लोअर हाई एक ट्रेंड

लाइन जोड़ दिए जाये तो फॉलिंग वेज

पैटर्न बनता है !

7. इस पैटर्न में जो वेव शुरुआत में बनते हैं वो बड़े

होते हैं बाद में वेव का आकार छोटा होता जाता है

इस पैटर्न का ब्रेक आउट ज्यादातर ऊपर की साइड

होता है और उसके बाद मार्केट ऊपर जाने लगता है

जब मार्केट लीअर हाई बनता है वॉल्यूम कम होते

जाते हैं लेकिन ब्रेकआउट होने के बाद वॉल्यूम बहुत

ज्यादा बढ़ जाते हैं

Real Example



इस पैटर्न को कैसे ट्रेड करें?

1. डाउन ट्रेड में जब भी मार्केट लोअर हाई बनके नीचे आता है तो पिछले कम से कम दो लोअर हाई को ट्रेड लाइन के साथ जोड़ दीजिए अगर कोई ग्रीन कैंडल इस ट्रेड लाइन के ऊपर बाय एंट्री ली जा सकती है स्टॉपलॉस हमेशा स्विंग लो के नीचे होना चाहिए !

**2. स्विंग ट्रेडर्स इस पैटर्न को डेली टाइम फ्रेम में
ट्रेड कर सकते हैं और जहां से डाउन ट्रेन शुरू
हुआ था वहां तक का टारगेट रख सकते हैं
इंटरडे ट्रेड 5 से 15 मिनट टाइम फ्रेम के साथ ट्रेड
कर सकते हैं 1 से 2 या 1 से 3 तक टारगेट रख
सकते हैं !**

ये पॉइंट्स हमेशा याद रखें

**1. फॉलिंग वेज पैटर्न अगर डाउनट्रैक के
आखिर में बनता है तो ट्रैक रिवर्सल का
काम करता है!**

2. अगर ये पैटर्न अपटेंड के

दरम्यान बनता है तो ट्रेड

कंटीन्यूअस का काम करता है !

3. लोअर हाई को जोड़ने वाली

ट्रेड लाइन के ब्रेकआउट के बाद

बाय एंट्री लेनी चाहिए !

4. स्विंग लो के नीचे स्टॉपलॉस

होना चाहिए!

5. इस पैटर्न में जहां से डाउन ट्रेंड

शुरू हुआ था वहां तक के टारगेट

मिल सकते हैं!

6. बिगिनर ट्रेडस पहले

रेजिस्टर्स लेवल पर निकल जाएं

या 50% प्राप्ति बुक करके ट्रेड

में बने रहे !

7. इंटार्डे ट्रेडस 5 से 15 मिनट

टाइम फ्रेम के साथ ट्रेड कर

सकते हैं !

**THANK
YOU!**